



विश्व पर्यावरण दिवस-2025

प्लास्टिक प्रदूषण का अन्त



भा.वा.अ.शि.प.—पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज एवं राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत के संयुक्त तत्वावधान में “प्लास्टिक प्रदूषण का अन्त” विषय पर विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन दिनांक 05.06.2025 को किया गया। कार्यक्रम के आरम्भ में डॉ. सन्तोष कुमार शुक्ला, कार्यकारी सचिव, नासी, प्रयागराज द्वारा मंचासीन अधिकारियों का अभिनन्दन करते हुए स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया। उन्होंने बताया कि पर्यावरण संरक्षण के लिए भारतवर्ष की सबसे पुरानी विज्ञान अकादमी विभिन्न क्रियाकलापों के माध्यम से संकल्पित है। छात्र-छात्राओं हेतु आयोजित दस दिवसीय समर स्कूल के उद्घाटन दिवस में नगर के विभिन्न विद्यालयों के 100 से अधिक शिक्षक एवं विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। मुख्य अतिथि डॉ. संजय सिंह, केन्द्र प्रमुख, ई.आर. सी. ने बताया कि प्लास्टिक प्रदूषण पर्यावरण के साथ ही मानव स्वास्थ्य के लिए भी धातक है। प्लास्टिक उत्पादन, उपयोग एवं निस्तारण में गम्भीर पर्यावरणीय क्षति होती है। अतः प्लास्टिक को कम से कम उपयोग की जीवन शैली और पुनः उपयोग का चक्र अपना कर इससे निजात पाया जा सकता है। इसी क्रम में उन्होंने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस हमें यह याद दिलाता है कि पृथ्वी हमारी साझा जिम्मेदारी है तथा इसका संरक्षण ही हमारे भविष्य की गारन्टी है। कार्यक्रम में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से मुख्य वक्ता, डॉ. पी.सी. अभिलाष ने अपने व्याख्यान में कहा कि विश्व में प्राकृतिक संसाधनों पर अत्यधिक दबाव के कारण हमारी जैव विविधता के क्षति की गति बहुत ज्यादा हो गयी है। इसलिए जैव विविधता का संरक्षण बहुत आवश्यक है। प्रो. एस.एम. प्रसाद, सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा प्लास्टिक उन्मूलन तथा पर्यावरण संरक्षण पर अपने विचार साझा किये। यह कार्यक्रम नासी द्वारा समर स्कूल के अन्तर्गत आयोजित किया गया, जिसके समन्वयक, प्रो. स्वप्निल श्रीवास्तव ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दिया। इसी क्रम में लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. मुरली मनोहर वर्मा द्वारा ब्रह्माण्ड की संरचना और उसका मूल्यांकन विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। डॉ. जी.एस. तोमर, अध्यक्ष, विश्व आयुर्वेद मिशन द्वारा हरित योग एवं पर्यावरण विषय पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। उक्त अवसर पर उपस्थित प्रतिभागियों से आहवान किया गया कि वे पर्यावरण की रक्षा के लिए विभिन्न छोटे-छोटे प्रभावी कदम यथा पौधे लगाना, कचरा प्रबन्धन में सहयोग देना तथा जल व ऊर्जा की बचत करना आदि को उठाने का प्रयास करें, जिससे पर्यावरण में सुधार लाया जा सके। कार्यक्रम में उपस्थित विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा संचालित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें युवा छात्रों ने बढ़—चढ़कर प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार क्रमशः रागिनी यादव—खेलगांव पब्लिक स्कूल, अनिकेत अग्रवाल—महर्षि पतंजलि विद्या मन्दिर, अंकुर मिश्रा—ऋषिकुल पतंजलि विद्या मन्दिर, अनमोल जायसवाल—टैगोर पब्लिक स्कूल, अभिजीत मिश्रा—श्री महाप्रभु पब्लिक स्कूल को दिया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन रश्मि मिश्रा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में ई.आर. सी. की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, श्री आलोक यादव, डॉ. कुमुद दूबे, अनुभा श्रीवास्तव तथा डॉ. एस. डी. शुक्ला, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, श्री रत्न कुमार गुप्ता, तकनीकी अधिकारी, श्री धर्मेन्द्र कुमार, तकनीकी सहायक के साथ शोध अध्येता सत्यव्रत सिंह, प्रतीक सिंह एवं प्रगति यादव आदि उपस्थित रहे।









मुंबई - शुक्रवार, 06 जून, 2025

देश/विदेश



विश्व पर्यावरण दिवस

प्लास्टिक प्रदूषण के अन्त का आहान

हरित योग वर्तमान परिदृश्य में स्वस्थ शरीर, स्वस्थ मरित्तिष्ठक एवं स्वस्थ पर्यावरण के लिए संजीवनी - डॉ जी एस तोमर

प्रयागराज। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत एवं भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 05.06.2025 को डॉ.लास्टिक प्रदूषण के अन्त डॉ विषय पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आरम्भ में डॉ. सन्तोष कुमार शुक्ला, कार्यकारी सचिव, नारी, प्रयागराज द्वारा मंदार्शीन अधिकारियों का अभिनन्दन करते हुए स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में नगर के विभिन्न विद्यालयों के 100 से अधिक शिक्षक एवं विद्यार्थियों ने प्रतिभावित किया। मुख्य अतिथि डॉ. संजय सिंह, प्रमुख, ई.आर.सी. ने बताया कि प्लास्टिक प्रदूषण पर्यावरण



प्रत्येक हिस्से के साथ ही यह मानव स्वास्थ्य के लिए भी ध्यातक है। लास्टिक उत्पादन, उपयोग एवं स्वस्थ निस्तारण में गम्भीर पर्यावरणीय क्षति होती है। अतः लास्टिक प्रदूषण को, कम से कम उपयोग की घटना और पुनःउपयोग का चक्र आयोजन कर रोका जाना चाहिए। विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष डॉ. जी. एस. तोमर, द्वारा हरित योग प्रस्तुत किया गया। उक्त अवसर पर उपस्थित प्रतिभागियों से आडान किया गया कि वे पर्यावरण को रक्षा के लिए विभिन्न छोटे-छोटे प्रभावी कदम यथा पौधे लगाना, कच्चा प्रबन्धन में सहयोग देना तथा जल व जल की बचत करना आदि को उठाने का प्रयास करें, जिससे पर्यावरण में सुधार काया जा सके। डॉ. तोमर ने कहा हरित योग वर्तमान परिदृश्य में स्वस्थ शरीर, स्वस्थ मरित्तिष्ठक एवं स्वस्थ पर्यावरण के लिए संजीवनी हैं। उन्होंने कहा एक पूर्णी एक स्वास्थ्य को संभव है जब हम मानव, जीव जन्म एवं पर्यावरण तीनों की चिंता एक साथ करें। इस अवसर पर वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के डॉ. पी. सी. अभिलाष, प्रो. स्वनिल श्रीवारत्न, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रो. एस. एम. प्रसाद, लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. मुरुली मनोहर वर्मा, आलोक यादव, डॉ. कुमुद दुर्वे, डॉ. अनुभा श्रीवारत्न, स.मु.त.अ.-डॉ. एस. डी. शुक्ला, त.अ. रत्न गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार के साथ शोध अध्येता-सत्यव्रत सिंह, प्रतीक सिंह एवं प्रगति यादव आदि कर्ते ने उपर्युक्त रहे।

सिंगल यूज प्लास्टिकका न करें उपयोग, पौधारोपणकर बच्चोंको बतायी पेड़ोंकी महत्ता

विश्व पर्यावरण दिवस पर गुरुवार होती है। अतः प्लास्टिक प्रदूषण को, सरकारी कार्यालयों, शैक्षिक संस्थानों, राजनीतिक एवं सामाजिक संघटनों की ओर से पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। भविष्य के खतरे के प्रति अग्राह करते हुए लोगों को सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल से बचने की अपील की। गोलियों में जलवायु परिवर्तन के गंभीर परिणामों पर चर्चा करते हुए इसमें निपटने के उपायों को जानकारी भी दी गयी। राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत एवं भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान 'प्लास्टिक प्रदूषण का अन्त' विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर के विभिन्न विद्यालयों के १०० से अधिक शिक्षक एवं विद्यार्थियों ने प्रतिभावित किया। मुख्य अतिथि प्रमुख, ई.आर.सी. डॉ. संजय सिंह ने बताया कि प्लास्टिक प्रदूषण पर्यावरण के प्रत्येक हिस्से के साथ ही यह मानव स्वास्थ्य के लिए भी ध्यातक है। प्लास्टिक उत्पादन, उपयोग एवं निस्तारण में गम्भीर पर्यावरणीय क्षति

कम से कम उपयोग की जीवन शैली और पुनःउपयोग का चक्र अपना कर रोका जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस हमें यह याद दिलाता है कि पृथ्वी हमारी साझा जिम्मेदारी है एवं इसका संरक्षण ही हमारे भविष्य की गारन्टी है। बीएचयू मुख्य बत्ता डॉ. पी.सी. अभिलाष ने कहा कि विश्व में प्राकृतिक संसाधनों पर अत्यधिक दबाव के कारण हमारी जैव विविधता के क्षति की गति बहुत ज्यादा हो गई है। इविवि के बनस्पति विभाग के पूर्व विद्यागार्थ्य ड्रो. एसएम प्रसाद एवं एम. प्रसाद, प्रो. स्वनिल श्रीवास्तव, लखनऊ विवि के

सचिव डा. सन्तोष कुमार शुक्ला ने विस्तृत जानकारी दिया। इस क्रम में इलाहाबाद संग्रहालय में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर संग्रहालय परिसर में छायादार एवं फलदार पांच पौधारोपण बच्चों ने साथ किया गया। उप संग्रहपाल डा. राजेश विश्र ने बच्चों को पेड़ों की महत्वा बताते हुये कहा कि संप्रति बढ़ती पर्यावरणीय चुनौतियां इस बात का आगाह करती हैं कि यह समय संभलने का है अगर हम विकास की अंधी चुनौतियों में पर्यावरण को ज्यादा हो गई है। इविवि के बनस्पति दरकानार किए तो परिस्थिति विकट होगी। इसलिए हम सब का दायित्व है कि अधिकाधिक न केवल वृक्षारोपण करें बल्कि बड़े होने तक उसकी प्रो. मुरुली मनोहर वर्मा एवं कार्यकारी

अजय कुमार, डा. वामन ए. वामनदेह, सुश्री श्वेता सिंह, सुनील कुमार पाण्डेय, सहित संग्रहालय के सभी अधिकारी उपस्थित रहे। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज प्रयागराज के रोशन बाग स्थित ऐतिहासिक मंसूर अली याक के काग्रेस कार्यकर्ताओं ने काग्रेस नेता इरशाद उल्ला बें नेतृत्व में 'आपेशन सिंदूर' का नेतृत्व करने वाले कर्नल सोफिया कुरैशी के नाम पर एक पौधारोपण कर उनकी असाधारण बहादुरी को सराहा। इस अवसर पर प्रमुख रूप से राना परबीन, नफीस कुरैशी, मोहम्मद शारिक, मोहम्मद अल्तमश, मोहम्मद तबरेज और मोहम्मद कोनेन सहित अन्य कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अग्निशमन मानकोंका पालन न करनेपर छह कोरिंग संचालकोंको नोटिस

संचालकोंको तीन दिनका दिया समय, एक हफ्ते चलेगा चेकिंग अभियान

शहर के कोरिंग सेंटर में आग से कर फोटो ग्राफी कराई गई है। वहाँ, के दौरान अग्निशमन अधिकारी डॉ. आर.सी. रास्ता, एनओसी अप्रूवल, अग्निशमन

विश्व पर्यावरण दिवस : प्लास्टिक प्रदूषण के अन्त का आह्वान

इलाहाबाद एक्सप्रेस

प्रयागराज। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत एवं भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 05.06.2025 को 'प्लास्टिक प्रदूषण का अन्त' विषय पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आरम्भ में डॉ. सन्तोष कुमार शुक्ला, कार्यकारी सचिव, नासी, प्रयागराज द्वारा मंचासीन अधिकारियों का अभिनन्दन करते हुए स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया। उन्होंने बताया कि पर्यावरण संरक्षण के लिए भारतवर्ष की सबसे पुरानी विज्ञान अकादमी विभिन्न क्रियाकलापों के माध्यम से संकलित है। कार्यक्रम में नगर के विभिन्न विद्यालयों के 100 से अधिक शिक्षक एवं विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। मुख्य अतिथि डॉ. संजय सिंह, प्रमुख, ई.आर.सी. ने बताया कि प्लास्टिक प्रदूषण पर्यावरण के प्रत्येक हिस्से के साथ ही यह मानव स्वास्थ्य के लिए भी घातक है। प्लास्टिक उत्पादन, उपयोग एवं निस्तारण में गम्भीर पर्यावरणीय क्षति होती है। अतः प्लास्टिक प्रदूषण को, कम से कम उपयोग की जीवन शैली और पुनः उपयोग का चक्र अपना कर रोका जाना चाहिए। इसी क्रम में उन्होंने

कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस हमें यह याद दिलाता है कि पृथ्वी हमारी साझा जिम्मेदारी है तथा इसका संरक्षण ही हमारे भविष्य की गारन्टी है।

श्रीवास्तव ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दिया। इसी क्रम लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. मुरली मनोहर वर्मा द्वारा ब्रह्मांड की संरचना और

प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें युवा छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय



कार्यक्रम में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. पी. सी. अंधिलाला ने कार्यक्रम विषय पर अपने व्याख्यान में कहा कि विश्व में प्राकृतिक संसाधनों पर अत्यधिक दबाव के कारण हमारी जैव विविधता के क्षति की गति बहुत ज्यादा हो गई है। इसलिए जैव विविधता का संरक्षण बहुत आवश्यक है। प्रो. एस. एम. प्रसाद, सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा प्लास्टिक उत्पादन तथा पर्यावरण संरक्षण पर अपने विचार साझा किये। यह कार्यक्रम नासी द्वारा समर स्कूल के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसके समन्वयक, प्रो. स्वनिल

उत्पादन विभाग, इलाहाबाद विभाग, इलाहाबाद संचालन रश्मि विभाग देना तथा जल व ऊर्जा की बचत करना आदि को उठाने का प्रयास करें, जिससे पर्यावरण में सुधार लाया जा सके। कार्यक्रम में उपस्थित विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा संचालित प्रश्नेतरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिससे युवा छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांतान पुरस्कार क्रमशः राशिनी यादव-खेलगांव पब्लिक स्कूल, अनिकेत अग्रवाल-महर्षि पतंजलि विद्या मन्दिर, अंकुर मिश्रा-ऋषिकल पतंजलि विद्या मन्दिर, अनमोल जायसवाल-टौरेर पब्लिक स्कूल, अभिजीत मिश्रा-श्री महाप्रभु पब्लिक स्कूल को दिया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन रश्मि विभाग द्वारा किया गया। कार्यक्रम में ई.आर.सी. की वैष्णवीनिक डॉ. अनीता तोमर, आलोक यादव, डॉ. कुमुद दूबे, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, डॉ. एस. डी. शुक्ला, रतन गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार के साथ शोध अध्येता- सत्यव्रत सिंह, प्रतीक सिंह एवं प्रगति यादव आदि उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस: प्लास्टिक प्रदूषण के अन्त का किया आह्वान



संगम शपथ संवाददाता

प्रयागराज। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत एवं भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 05.06.2025 को 'प्लास्टिक प्रदूषण का अन्त' विषय पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आरम्भ में डॉ. सन्तोष कुमार शुक्ला, कार्यकारी सचिव, नासी, प्रयागराज द्वारा मंचासीन अधिकारियों का अभिनन्दन

करते हुए स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया। उन्होंने बताया कि पर्यावरण संरक्षण के लिए भारतवर्ष की सबसे पुरानी विज्ञान अकादमी विभिन्न क्रियाकलापों के माध्यम से संकलित है। कार्यक्रम में नगर के विभिन्न विद्यालयों के 100 से अधिक शिक्षक एवं विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। मुख्य अतिथि डॉ. संजय सिंह, प्रमुख, ई.आर.सी. ने बताया कि प्लास्टिक प्रदूषण पर्यावरण के प्रत्येक हिस्से के साथ ही यह मानव स्वास्थ्य के लिए भी घातक है।

निस्तारण में गम्भीर पर्यावरणीय क्षति होती है। अतः प्लास्टिक प्रदूषण को, कम से कम उपयोग की जीवन शैली और पुनः उपयोग का चक्र अपना कर रोका जाना चाहिए। इसी क्रम में उन्होंने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस हमें यह याद दिलाता है कि पृथ्वी हमारी साझा जिम्मेदारी है तथा इसका संरक्षण ही हमारे भविष्य की गारन्टी है। कार्यक्रम में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. पी. सी. अंधिलाला ने कार्यक्रम विषय पर अपने व्याख्यान में

कहा कि विश्व में प्राकृतिक संसाधनों पर अत्यधिक दबाव के कारण हमारी जैव विविधता के क्षति की गति बहुत ज्यादा हो गई है। इसलिए जैव विविधता का संरक्षण बहुत आवश्यक है। प्रो. एस. एम. प्रसाद, सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष, वनस्पति विभाग, इलाहाबाद विभाग, इलाहाबाद संचालन रश्मि विभाग देना तथा जल व ऊर्जा की बचत करना आदि को उठाने का प्रयास करें, जिससे पर्यावरण में सुधार लाया जा सके। कार्यक्रम में उपस्थित विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा संचालित प्रश्नेतरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिससे युवा छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांतान पुरस्कार क्रमशः राशिनी यादव-खेलगांव पब्लिक स्कूल, अनिकेत अग्रवाल-महर्षि पतंजलि विद्या मन्दिर, अंकुर मिश्रा-ऋषिकल पतंजलि विद्या मन्दिर, अनमोल जायसवाल-टौरेर पब्लिक स्कूल, अभिजीत मिश्रा-श्री महाप्रभु पब्लिक स्कूल को दिया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन रश्मि विभाग द्वारा किया गया। कार्यक्रम में ई.आर.सी. की वैष्णवीनिक डॉ. अनीता तोमर, आलोक यादव, डॉ. कुमुद दूबे, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, डॉ. एस. डी. शुक्ला, रतन गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार के साथ शोध अध्येता- सत्यव्रत सिंह, प्रतीक सिंह एवं प्रगति यादव आदि उपस्थित रहे।

Clarion call to end plastic pollution on WED



Staff Reporter

Prayagraj: On the occasion of World Environment Day (WED), a one-day program on the topic "End of Plastic Pollution" was organized on 05.06.2025 under the joint aegis of National Science Academy, India and ICAR-Center for Ecological Restoration, Prayagraj. At the beginning of the program, Dr. Santosh Kumar Shukla, Executive Secretary, NASI, Prayagraj presented a welcome address while welcoming the officials on the stage. He told that India's oldest science academy is committed to environmental protection through various activities. More than 100 teachers and students from various schools of the city participated in the program. Chief Guest Dr. Sanjay Singh, Head, ERC said that plastic pollution is fatal for every part of the environment as well as human health. Plastic production, use and disposal causes serious environmental damage. Therefore, plastic pollution should be

stopped by adopting a lifestyle of minimum use and cycle of reuse. In this sequence, he said that World Environment Day reminds us that the earth is our shared responsibility and its conservation is the guarantee of our future. In the program, as the keynote speaker from Banaras Hindu University, Dr. P.C. Abhilash said in his lecture on the program topic that due to excessive pressure on natural resources in the world, the pace of loss of our biodiversity has increased a lot. Therefore, conservation of biodiversity is very important. Prof. S.M. Prasad, retired Head of Department, Department of Botany, Allahabad University shared his views on plastic elimination and environmental conservation. This program was organized by NASI under Summer School, whose coordinator, Prof. Swapnil Srivastava gave detailed information about the program. In this sequence, Prof. Murali Manohar Verma of Lucknow University presented a lecture on the structure of the universe and its evaluation. Dr. G.S. Tomar, President,

Vishwa Ayurveda Mission presented a detailed lecture on the subject of green yoga and environment. On the said occasion, the participants present were called upon to take various small and effective steps to protect the environment such as planting trees, helping in waste management and saving water and energy, etc., so that the environment can be improved. A quiz competition conducted by the Ecological Restoration Center, Prayagraj was organized for the students of various schools present in the program, in which young students participated enthusiastically. The first, second, third and consolation prizes were given to the winning participants in the competition, Ragini Yadav-Khelgaon Public School, Aniket Agarwal-Maharishi Patanjali Vidya Mandir, Ankur Mishra-Rishikul Patanjali Vidya Mandir, Anmol Jaiswal-Tagore Public School, Abhijeet Mishra-Shri Mahaprabhu Public School respectively. The program was successfully conducted by Rashmi Mishra. Senior Scientists of ERC Dr. Anita Tomar, Alok Yadav, Dr. Kumud Dubey, Dr. Anubha Srivastava, Dr. S. D. Shukla, Ratan Gupta, Dharmendra Kumar along with research scholars - Satyavrat Singh, Pratik Singh and Pragati Yadav etc. were present.

'प्रदूषण पर लगाम लगाने के उपायों पर करें शोध'

आवान

प्रयागराज मुख्य संवाददाता। राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (नासी) में छात्र-छात्राओं के लिए दस दिवसीय समर स्कूल का उद्घाटन गुरुवार को हुआ।

मुख्य अतिथि भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् (आईसीएफआरई) के अध्यक्ष डॉ. संजय सिंह ने कहा कि युवा पोढ़ी की जिमेदारी है कि बढ़ते प्रदूषण पर लगाम लगाने के उपायों पर शोध करें और इसकी गति को धीमी करें अन्यथा आने



राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (नासी) में छात्र-छात्राओं के लिए दस दिवसीय समर स्कूल का शुभारंभ गुरुवार को हुआ।

वाले दिनों में जल, मृदा एवं वायु प्रदूषण अपने चरम पर होंगे। मुख्य वक्ता

की। अध्यक्षता कर रहे प्रो. एस.एम. प्रसाद ने कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। लखनऊ विवि के प्रो. मुली मोहर वर्मा ने ब्रह्मांड की संरचना एवं विकास के संबंध में रोचक जानकारी दी। विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष डॉ. जीएस तोमर ने हारित योग पर विस्तार से बताया। पर्यावरण पर आधारित प्रस्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजित की गई। अकादमी के कार्यकारी सचिव डॉ. संतोष कुमार शुक्ला ने अतिथियों का स्वागत किया। सचालन रश्मि, संयोजन प्रो. स्वनिल श्रीवास्तव एवं धन्यवाद ज्ञापन नोडल समन्यवक संजय श्रीवास्तव ने किया।

**विश्व पर्यावरण दिवस : पर्यावरण को बचाना है तो वृक्ष लगाना है
प्लास्टिक प्रदूषण के अन्त करने का किया आह्वान**

विद्वाही सामना संवाददाता

द्रिवायाराज। विश्व पदार्थविद्या के अवसर पर राष्ट्रीय विज्ञान अकादमीनी, भारत एवं भा. वा. अ. वि. प.- पारिस्थितिक पुनर्जीवन केंद्र, द्रिवायाराज के संस्कृत तत्वावधान में 'लारस्टर के प्रदूषण' का अन्त विधय पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आरम्भ में डॉ. सन्तोष कुमार शुक्ला, कार्यकारी निदेशक, नीरा, प्रगति द्वारा मंचासीन अधिकारियों का अभिनन्दन करते हुए स्मारक भवन विधायिका परस्तुति की गया। उन्हें बताया गया कि पर्यावरण सरकार के द्वारा भारतवर्ष की सबसे पुरानी विज्ञान अकादमी विभिन्न कायोलोप के माध्यम से संकलित थी। कार्यक्रम में नगर विभाग विद्यालयों के 100 से अधिक शिक्षक एवं विद्यार्थियों

ने प्रतिभाग किया। मुख्य अतिथि डॉ. संजय राव, प्रमाण ई.आर.सी. ने बताया कि लास्टिक प्रदूषण पर्यावरण के प्रत्येक दृष्टिकोण से साधा ही यह मानव स्वस्थ्य के लिए भी धूक त है। लास्टिक उत्पादन, उपयोग एवं निस्तरण मंड़ गमधीर पर्यावरणीय क्षमता होती होती है। अतः लास्टिक प्रदूषण को, कम से कम उपयोग की जरूरत शैली और उपयोग का ठार अपना प्रयत्न रोका जाना चाहिए। इसी कठ में उन्होने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस हमें यह याद दिलाता है कि पृथ्वी हमारी साझा जिम्मेदारी है ताकि साकार संरक्षण ही व्याख्यान में कहा गयी रान्ती है।



विश्वविद्यालय
वर्मा द्वारा
उत्सका
व्याख्यान
जी. एस.
आयुर्वेद
एवं पर्यावरण
व्याख्यान
अवसर प
से आड्डा
पर्यावरण
छोटे-छोटे
लगाना, व
देना तथा
करना अ
करें, जि
लालया ज
उपस्थित
विद्यार्थिय
पुनर्स्थाप
संचालित

लय के प्रो. मुरली मनोहर ब्रह्मदत्त की सरकार और मूल्यांकन विषय पर विस्तृत किया गया। डॉ. तिमार, अध्यक्ष, विश्व मिशन द्वारा हाई योग परण विषय पर विस्तृत विचारण किया गया। इस पर उपरिथ प्रतिभानीयों ने किया गया कि वे की रक्षा के लिए विभिन्न प्रभावी दबाव यथा पौधे चंचरा प्रबन्धन में सहयोग जल व ऊर्जा की व्यवस्था दिक्कत को ऊर्जा के प्राकृतिक संसाधनों से पर्याप्ति में सुधार सकते। कार्यक्रम में विद्यालयों के लिए परिवर्तनीयों के लिए केन्द्र, प्रयागराज द्वारा प्रसन्नतरी प्रतियोगिता का

आयोजन किया गया, जिसमें युवती छात्रों ने बढ़-चढ़कर भास लिया था। अप्रैल महीने में दियता प्रतिवार्षिक कार्यक्रम की प्रथम, द्वितीय, तीसरी एवं सांत्वना पुरस्कार क्रमसः राजनीति-यादव-खेलोंगां पालिक ट्रस्ट के अनिनेत अप्रवाल-महीने परंपरात्मक विद्या मन्दिर, अंकुर निष्ठा-प्रतिवार्षिक पतंजलि विद्या मन्दिर, अनमाला जायवंश लौट-गौर पालिक ट्रस्ट अमीरिता निशा-महाप्रभु पालिक ट्रस्ट के द्वारा दिया गया। कार्यक्रम के सभी संचालन रशिम मिश्रा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में ही, आर. सी. की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. रमेश कुमार, आलोक यादव, डॉ. कुमुदी द्वारा, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, डॉ. एस. ई. शुक्ला, रतन गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार के साथ साथ अध्येता सत्यवद्धम सिंह, प्रतीक अधिकारी और प्रगति यादव आदि उपस्थित रहे।

**विश्व पर्यावरण दिवस : पर्यावरण को बचाना है तो वृक्ष लगाना है
प्लास्टिक प्रदूषण के अन्त करने का किया आह्वान**

प्रभात वंदना संवाददाता

प्रयागराज। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत एवं भा.ग.आ.पि.जि. परिसरित्यक सुन्दरीरामपांडित ने विद्युत संयुक्त तत्वावधान में 'एलिस्ट्रिक प्रदूषण' का अन्त विषय पर एक दिवसीकार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन में डॉ. सन्तोष बुरान शुरुआत, कार्यकरी सचिव, नासी, प्रयागराज द्वारा मंवर्षीन अधिकारियों का अभिनन्दन करते हुए स्थापना प्रस्तुत किया गया। उन्हें बताया गया कि पर्यावरण संरक्षण के लिए भारतीय की सबसे पुरानी विज्ञान अकादमी विभिन्न कियाकरणों के माध्यम से संरक्षित की गयी। कार्यक्रम में नारा के विभिन्न विद्यालयों के १०० से अधिक शिक्षक एवं विद्यार्थी

ने प्रतिभाग किया। मुख्य अतिथि डॉ. संजय सिंह, प्रम. खा. ई.आर.सी. ने बातों का लाइस्टिक प्रदूषण पर्यावरण के प्रत्येक हिस्से का साथ ही यह मानव स्वास्थ्य के लिए भी ध्यानक है। लाइस्टिक उत्पादन, उत्पायोग एवं निष्ठापन मंत्र गमधीर पर्यावरण क्षेत्र होती है। अतः लाइस्टिक प्रदूषण को, क्रम से कम उत्पायोग का शीतल और पुनः उत्पायोग का वर्क अपना कर रोका जाना चाहिए। इसी क्रम में उत्पोदन कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस हमें यह घट दिलाता है कि विश्वी हमारी साथा किमदिरी ही तथा इसका संरक्षण ही हमारे भविष्य की गारन्टी है।

A photograph showing a group of approximately ten students standing in two rows in front of a large portrait of Mahatma Gandhi. The students are dressed in various casual attire, including shirts and trousers. The background features a wall with a portrait of Gandhi and some text or a plaque below it.

विश्वविद्यालय के प्रो. मुरली मनोहर अमृता द्वारा ब्रह्मसंद की संरचना और उसका मूल्यांकन विषय पर याखण्ड प्रस्तुत किया गया। डॉ. एस. मन्नन, अध्यक्ष, विश्वविद्यालय में शिक्षण द्वारा हरित योग वर्ते पर्यावरण विषय पर विस्तृत याखण्ड प्रस्तुत किया गया। उक्त वक्तव्यसंबंधी पर उपर्युक्त प्रतिभागियों को आङ्गन किया गया कि वे वार्षिक पर्यावरण की रक्षा के लिए विभिन्न ऐडो-ऐडो प्रभावी कदम यथा पौधे लगाना, कठारनांश में सहायता नाना तथा जल व ऊर्जा की बहत सुधारना आदि को उठाना का प्रयास करें। जिससे पर्यावरण में सुधार होता जा सके। कार्यक्रम में परिस्थिति विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए पारिश्रमिक नियन्त्रण केन्द्र, प्रसारारज द्वारा नियंत्रित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का

आयोजन किया गया, जिसमें युवा आज्ञी ने बढ़-चढ़कर भग लिया। प्रतिविधिमति में जितोंति प्रतिभाविष्यों को प्रथम तथा सांवत्तन-पुस्कार करती थीं रागिनी यादव-खेलगांव पलिंग स्कूल, अनिकेत अग्रवाल-महर्षि पतंजलि दिवा मन्दिर, अनुरुग मिश्र-क्रिप्तिवुल पतंजलि दिवा मन्दिर, अनमाल जायवाल-प्रभानंद परिकल्पना, अविज्ञान मिश्रा-महाप्रभु पलिंग स्कूल को दिया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन रविम मिश्रा द्वारा की गया। कार्यक्रम में ई.आर.सी. की वरित जीवानिक अनीता तोमर, आलोचना यादव, डॉ. कुमुद देवी, डॉ. अनुषा श्रीवास्तव, डॉ. एस. डॉ. शुक्ला, रतन गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार के साथ शाश्च अध्येता संस्कृत सिंह, प्रसीद शर्मा एवं प्रगति यादव आदि उपस्थिति हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस प्लास्टिक प्रदूषण के अन्त का आव्हान

प्रयागराज | विश्व पर्यावरण दिवस वं अवसर पर राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी मन्त्र एवं भा.आ.शि.प्र.या. आरसिंहगढ़ के सम्मुखीन नृपरथ्याराज केन्द्र, प्रयागराज में तत्वज्ञान में दिनांक 05.06.2025 के लास्टिक प्रदूषण का अन्तर्विषय पर एक दर्शकीय कार्यक्रम का आयोजन विधायिका द्वारा किया गया। कार्यक्रम के आरम्भ में उपर्युक्त विधायिका डॉ. सन्धो बुधवार सकारात्मक सवायित्र, नारी, प्रयागराज द्वारा मंचसंरीणी अधिकारीयों का अभिनन्दन करते हुए स्वागत माणण प्रस्तुत किया गया। उन्होंने भारतवर्ष की सबसे पुरानी विज्ञान अकादमी विभिन्न क्रियाकलापों के माध्यम से संक्षिप्ती की। कार्यक्रम में नगरीयों के विभिन्न विद्यालयों के 100 से अधिक शिक्षक एवं विद्यार्थियों की भागीदारी किया। मुख्य अतिथि डॉ. संजय सिंह प्रमुख, ई.आर.सी. ने बताया विप्रासिद्ध प्रदूषण के प्रत्येक विद्युतीय विस्तर के साथ ही यह मानव स्वास्थ्य के लिए भी घाटी है।



विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा स्टॉरिटिक उनमुहूर्त पर्यावरण संस्थान पर आगे विवर साझा किये। यह कार्यक्रम नासी द्वारा समर स्कूल के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसके समयन्यक, प्रो. स्वेनिल जीवास्तव के कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दिया। इसी क्रम लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. मुरली मनोहर वर्मा द्वारा ब्रैडल की सरकारी और उसका मूल्यनापन विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। डॉ. जी. एस. तोमर, अध्यक्ष, विश्व आयुर्वेद मिशन द्वारा हरित योग एवं पर्यावरण विषय पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। उक्त अवसर पर परिस्थिति प्रतिभागियों से आवाहन किया गया कि वे पर्यावरण की रक्षा के लिए विभिन्न छोटे-छोटे प्रभावी कदम यथा पौधे लगाना, कचरा प्रबोधन में सहयोग देना तथा वर्जन की बचत जैसा आदि को उठाने का प्रयास करें, जिससे पर्यावरण में सुधार लाया जा

के। कायर्क्रम में उपरित विभिन्न आयोगों के विद्यार्थियों को लिए रिस्थितिक मुन्सूथापन केन्द्र, परिवहन द्वारा संचालित प्रस्तोतरी तथेयोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें युवा छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। तथेयोगिता में विजेता प्रतिभावियों को धम, हितीय, तृतीय एवं सांचना दस्तकर क्रमशः राशिनी यादव-खेलगांव द्वेषक रक्खल, अनिकेत अग्रवाल-महावीर तंज जलि विद्या मन्दिर, अंकुर राज-ध्रुवल पर्यावरण विद्या मन्दिर, नमोल जायसवाल-टैगोर पब्लिक फूल, अभिजीत मिश्रा महामुख पब्लिक फूल को दिया गया। कायर्क्रम का कल संचालन ररिम मिश्रा द्वारा किया गया। कायर्क्रम में ईआरडी की विरचि-डाइनिक डॉ. अनीता तोमर, आलोक यादव, डॉ. कुमुद द्वेरा, डॉ. अनुभा वरारूद, डॉ. एस. डी. शुक्ला, रतन ताता, धर्मेन्द्र कुमार के साथ शोध ३८ ता-सत्यवाच सिंह, प्रीती सिंह एवं ताति यादव आदि उपरित रहे।